

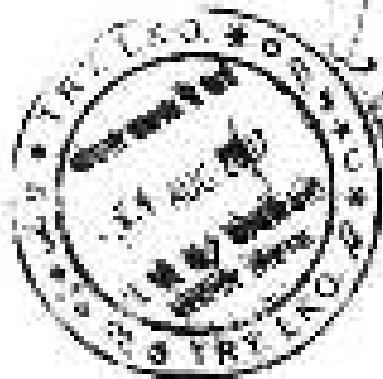
२। १८८

I - ४३७/८



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

३००१८६



विलय विलेषा

प्रतिवर्ती नी कनाराइ -	रु ३०,१३,५५/-
मालहे चूला -	रु १३,११,१३४/-
अन्य विलय विलेषा - १००० रुपये -	रु ३,०१,५००/-

- | | | |
|----------------------|---|---------------------------|
| १. श्रीमि ज्ञ अमर | - | कौशल |
| २. परमानन्द | - | जिल्हानार |
| ३. ब्रह्म | - | दीनानंद शेषलाल |
| ४. अमरांशु ना विलेषा | - | श्रीमि ज्ञ अमर १००० रुपये |

१००० रुपये

अधिकारी विलेषा

प्रधान विलेषा

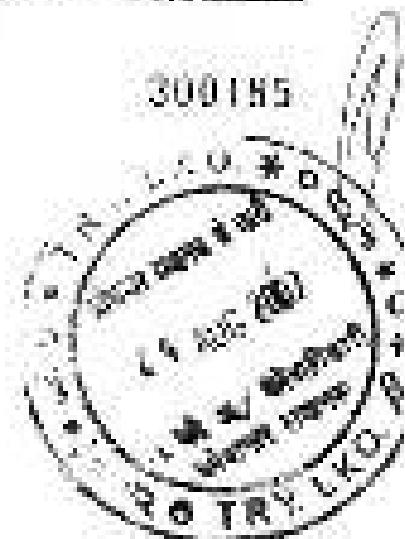
१००० रुपये



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

300165

2 -



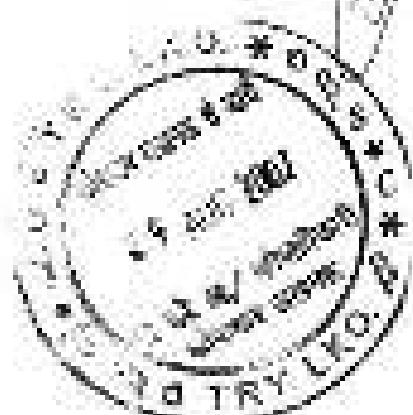
1.25 रुपये 1/2 रु.
भवान चक्र 0.6465 रु. रुपया
12-12-1955 रुपया 0.239 रु.
शहर लखनऊ 12106 रुपया 0.343
50 रुपये रुपया 0.362 रु. का 1/5
भाग शहरी रुपया 0.1154 रु.
मध्यां चुना विधान लखनऊ 0.2629

१८७५



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

300186



१० लाख रुपये लापता
प्रभाव निर्भाव, नियोग व विवा
ह विवाह।

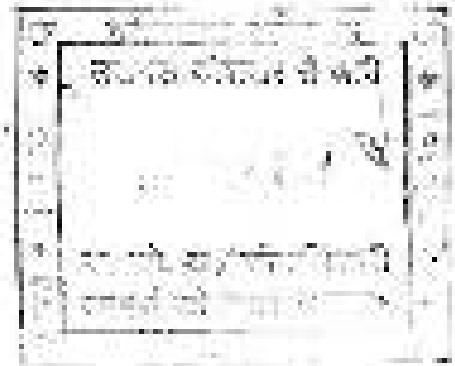
- | | |
|-------------------------|---|
| ५. भाज्य की अवधि - | दोहराएँ |
| ६. सम्पत्ति पर संबन्ध - | १. ८६२५ लाख |
| ७. खुल्क के लिये - | मुकामपूर गैट व अमरधर्म स्थान
संख्या २०० नंबर के अधिक |

१०१८६/१०१८६



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309674



- | | | |
|-----|-------------------|------------------|
| 8. | अमरांशु लाल इकबाद | लूपी |
| 9. | गोदी लाल इकबाद | सुषुप्त गोडी है। |
| 10. | श्रीराम / कुआ वाल | सुषुप्त नहीं है। |

नवका लीट्रे अमरा नं 1213 त 1214

ठार	लखण संगमा-115
ठीक	श्री लंगा भवाजा चमुर अंडा-115
ठुक	एमरा संक्षा-122, 128

१०१८५६८



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

30935



पुरुष - जगत १३५-११९, १२०

वीरभूद अन्त सं । ४५

जाति	शक्ति नज्मा । ४४
जमिय	ग्राम सीमा निवासमुद्देश्य १३५-११९
पुरु	ग्राम सीमा निवासमुद्देश्य
जमिय	ग्राम सीमा निवासमुद्देश्य
परम्परा एवं लक्ष्य ।	विशेष प्र क्रमांक ।

वीरभूद



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

3119675

१	२	३	४
५	६	७	८
९	१०	११	१२
१३	१४	१५	१६
१७	१८	१९	२०

१. रुप. २००००० रुपये
२. रुप. २००००० रुपये
३. रुप. २००००० रुपये
४. रुप. २००००० रुपये
५. रुप. २००००० रुपये
६. रुप. २००००० रुपये
७. रुप. २००००० रुपये
८. रुप. २००००० रुपये
९. रुप. २००००० रुपये
१०. रुप. २००००० रुपये
११. रुप. २००००० रुपये
१२. रुप. २००००० रुपये
१३. रुप. २००००० रुपये
१४. रुप. २००००० रुपये
१५. रुप. २००००० रुपये
१६. रुप. २००००० रुपये
१७. रुप. २००००० रुपये
१८. रुप. २००००० रुपये
१९. रुप. २००००० रुपये
२०. रुप. २००००० रुपये

किंवदा वा विवरण

राष्ट्रपति गुरु एरीडेन स्टाइल
निवासी मैन निगमगृह
संशोधनाम्, वर्तनाम् विज्ञान,
लालसील व जिला लखनऊ व
बहुमान गवा जम उत्तरायु
ष्मेवती, परमामा किमीर,
लालसील जिला लखनऊ।

क्रम वा विवरण

अस्ति अपटीन १७८ इन्डियन्स
लिंग राजेस्टर्स आफिल्ह ११५, ग्राम
भवन, १६, कल्याण गार्डी घार, नई
डिल्ली-११०००१, वर्तनाम पता तृतीय
तत्त्व बाई०एन०सी०११० विल्डिंग, १३,
गोपा प्रताप मार्ग, लखनऊ सारा
जामकू छलायती श्री अधिकार
प्रसाद लिंगे गुरु वी देव प्रसाद
छवेदी शोभानाम च स्थार्थ फा तृतीय

२००००००



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309676



अवधारणा

नह बांगलाडुआँ बिल्ली, 13.
राणा प्रताप सार्ग, ललगढ़
बनसाप- छापार, नेपाल

एवं विषय विठ्ठल रामप्रसाद पुत्र परीक्षान रथ्य निवासी घर
निवासपुर गंगाधार, परम्पर विगनीर, उड़सील व निला लखनऊ व खट्टमान
पठा शास इसन्दूर एक्स्ट्री, परगना लिलीर, गढ़सील शिला जामनऊ विनेह

२१.८.१९८५



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309677

लागे दिखेता कहा रखा है कम संवेदन प्राप्तीकरण एवं इनफ्रास्ट्रक्चर लिंग
सर्विस्ट्स अपार्क 115, अयत भवन, 16, नक्काशा गांधी नगर, नई
दिल्ली-110001, बटमाल पता गुरुग्राम तला वार्ड-10, गोपीगढ़ा विधान, 13,
एवं ब्रह्मगंगा नगर, लालनाक छावा अपार्कम इकाई श्री अच्युत रमाद
दिखेता उप श्री बेनी दश्म दिखेता इतोमान व ल्यादी पता गुरुग्राम तला



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

109678

नार्थेक्सिलेप्टा गिल्डेन, 13, रामा नगर मार्ग, लखनऊ में से अने
केना दस्तावेज के लिए गिर्यारेखा दिया गया।

वा. कि. बिल्ली भूमि विकास संस्था 145 एकड़ा 1.250 लक्षण
में 1x2 एकड़ा विवरण वर्षा 0.6985 एकड़ा, दामना एकड़ा 121.4 एकड़ा
0.239 एकड़ा, उत्तर एकड़ा 221.4 एकड़ा 0.343 एकड़ा गुला एकड़ा 0.582



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309679



80 वा 1/5 ग्राम अर्थत् रुपया 0.1164 अ० अथवा चुन रिसीव रुपय
0.2629 हेट लिपि ग्राम उत्तरप्रदेशीय प्रगता निलमी। नक्षत्र इ
विह लक्षणक आ बालिका व्याकुल व काविज है तथा उत्तरप्रदेशीय प्र
वर्णालिक भावा अंगोने का संख्या 00210 व 00212 के बनार भूमि
विहार के नाम संभवतः गृहिणी के लाभ वे होते हैं और निलमा को
उपर पूर्ण कियर या दुष्कृतिवास भए हैं और निलमा के नाम के



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309690

अमर नाम; यामुद्द अंगिरो के से यह है, जिसका अपना शाश्वत
जीवा केता को इह विद्या दिलेय छाता रखत्वा कर रहा है जिसका
उपायका रूपार्थ भूमि के प्राप्तिक, बर्मिज ए कर्मण है इस गतिमान धर्मर
में उत्ता शुणि शुणि शुणि न और उत्ता शुणि शुणि शुणि के द्विता नहीं
है। उक्ता शुणि शुणि, द्वृष्टि नी शुणि नहीं है। यह विद्या जीवकेता व्युत्पादित
करता है कि उत्तरान्त उत्ता शुणि तथी धर्माद के बाहे ले पूर्वत एव उक

Axial Properties of Nitrogen-100

Author's Signature



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

30968

13 -

व ताह है तथा विजेता ने लो इस रेस्टर के दुः करी था। तिथा, अख्य
या अनुधानित इत्यादि नहीं दिया है। विजेता ने उक्त मूमि पर कृपे रक्ष
ए अन्य ग्रन्थ का भी जाप नहीं दिया है। यह स्वरूप रेता नहीं धरिय
मे निकलता है तो उक्त विजेता। विजेता के दसाके वरिस्ता व विदिक
अत्यांगेकरी होंगे। उत्तराखण्ड गुण या अन्य लोड भाषा फ़िल्मों नापाल्य ए
उत्तराखण्ड काश्यवर्णी के अन्तर्गत देशद या कानू नियम नहीं है, न है कर्द-

20171 1426 6



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309682

- 11 -



इसामि की विवेदा के अन्तर्गत इन घूमे 4 विसंग लक्ष्य व्यक्त कर सकते हुए या उन लक्ष्यों कहीं की रूप विवेदा को उन्न उन्नत अन्तर्गत करते हुए 4 भवित्वार प्रणा के अन्तर्गत इन्हें सम्पत्ति के प्रत्यक्षशास्त्र बहुत लिक्ष्य हुआ ₹0 30,12,455/- के प्रतिक्रिया में विसंग आपेक्षा छोड़ा गया विवेदा की इस विवेदा के अन्त में ही ए अनुशृण्वा ने नर्थन गिरि के अनुभाव मुमताम कर दिया गया है एवं विश्वासी गाल की बिंबों की ही



High Court of Allahabad



1950 AD



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309683

- 14 -



विवाह करने वाला उल्लेखनीय राजा देवा के साथ उनका
गोपनीय भूमि विभाग दिवारण वा विक्रम विक्रेता ने अनुसृत के
अन्याय दिया गया है, जो बहुत तेज़ दिया है, एवं विक्रेता ने विक्रमशुभ्र
भूमि का गोपनीय वा अज्ञा देवा वा अच्छादी करा दिया गया है। अब उल्ल
लागत वा विक्रेता तथा उके अधिकार या कोई अधिकार नहीं है।
विक्रेता ने विक्रमशुभ्र मुन्द्रित के अपने लाभेवं वा समल अधिकारों को

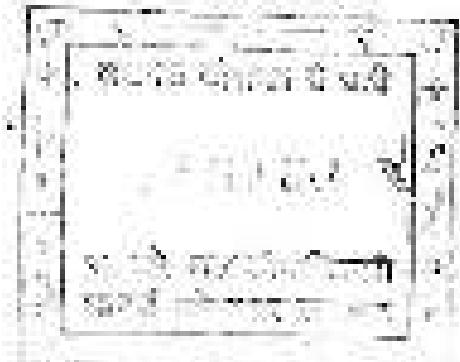
१८८१-१८८४



उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

309664

- 15 -



लोक प्रबन्ध न सम्भव के लिए केवल यो उत्तरान्तरित कर दिया है। अब
जिस विकल्पिक सम्बन्ध में उसके गतिक भग वर्ते तो उन्हें उत्तरान्तरित
न अनिवार्य करने में सम्भवता में क्षम ने लाठा एवं उपर्योग व तपश्चिन्ता
करें। मिलेता व उसके वरिष्ठान इसके लिए प्रकार की अवधारणा बापा
एवं उस शुक्रों एवं शुक्र के लिए भाग कर लेंगे और वह विकल्पिक
सम्बन्ध सम्भव करें जो विकल्प में त्रुटि के गमन या आनन्दी

१५ — २०८४

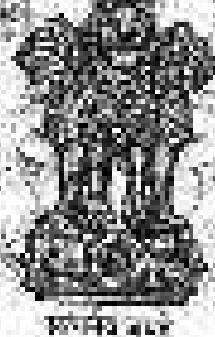
Axel Printers & Printers 102

Digitized by srujanika@gmail.com

भारतीय गोरा न्यायिक

भारत INDIA

रु. 500



FIVE HUNDRED
RUPEES

पाँच सौ रुपये

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

S 305612

16

अठवन या लागू दृष्टि के अन्तर्गत जो उसके वासियाने निष्पादित करा
एवं विद्युत रूपों या अंटिक्स या लकड़ से बिक्री जाये तो जो उसके
वासियाने निष्पादित करा वह एक व्यापारी के रूप में वह अपना समस्त
पुराना वय तब वा छह वर्षों की वय अवधि तक्षण वारिसाने वारिसान होनी वा
विद्युत दस्तूर के लिए उस विवरण में दिक्षिता एवं उसके वारिसान होनी वा
विद्युत दस्तूर के लिए उस विवरण में दिक्षिता एवं उसके वारिसान होनी वा

१५८७१४२७८८

अप्रैल फ्रैंजिल ब्रिटिश एवं इंडिया

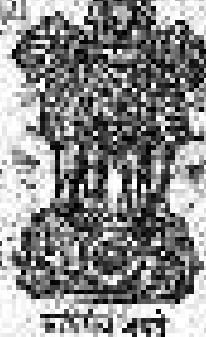
सिगरेट्स और स्ट्रोक्स

आरतीय नैर न्यायिक

भारत INDIA

₹. 500

पाँच सौ रुपये



FIVE HUNDRED
RUPEES

Rs. 500

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

E 305613

महान् विदेशी वृ की गोप्ता है जो अब शाहन्घ
संस्कार प्राप्तिकरण, शाहन्घ वथ ३०५० अनास ०१ लिंकन पारिषद
विधान तथ शन भूमि गो चालानी उपाया विर लखनी तंत्रा द्वारा
लाइसेन्स नहीं है बड़ी है और न है प्रत्याख्यात है।

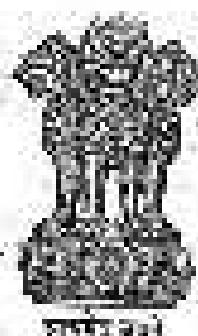
Printed by Government of India

Authenticity Checked
Rashtriya Sevayat

भारतीय नौर - व्यायिक

एक सौ रुपये

₹. 100



Rs. 100

ONE

HUNDRED RUPEES

भारत INDIA

INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

R 580172

[3]

यह दि कंता एकमध्य राष्ट्रिय की विभिन्न छात्रसंघ
विभागों में अपने नाम वाले यह तो निर्देश को कोइं आपत्ति न देंगे
लेकिं यह कि इस विकल्प विवरण में कुछ नह जगर करें बल्कि निम्नों तरह
का यह इस स्वयंसेवा देंगा तो उससे विभिन्न गुणान यह तरह बढ़ेगे
निर्देश को करें लाभते होंगे।

निर्देश दिनांक 11-11-1960

निर्देश दिनांक 11-11-1960

भारतीय नौ न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100

ONE
HUNDRED RUPEES



भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

R 560173

यह के अन्तर्मुख लकड़ा नापा आव इसन्दुर बिला उत्तरप्रदेश
के अन्तर्विभाग डिप के अन्तर्गत जाता है इसका निवारित मूल्य
रु. 100 13,75,000/- प्रति लिंगम् है यु. भूमि का विवर काष्ठना के
पश्चि मे जो जा है इसका 25 मैत्रेश्वर गुरु करो छा आ
13,16,750/- के लियाव दे एकमें रुपि 0.7629 लंबोधार दो गजिल
रु. 13,11,234/- हैने है युक्त विल्व फूल भूमि के नामानुसार वे
विक ट लम्लिए निवारित विवर युल दा है रु. 3,01,400/-

१०८५८८८

राज्य निवारित विवर दाता विवर

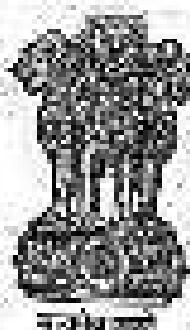
राज्य निवारित विवर

भारतीय नौर न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE
HUNDRED RUPEES.

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

R 580174

20

तगड़ा लाल रंग किंवा लाल है। यह नि अपरेक्ट विक्सीन भूमि कृषि के उपयोग के लिए उप की जा रही है। गूँड़ में कोइं पह़ इनासल लाइ नहीं है तबा निसों प्रकार नीं अनाश्रय गानेश्वरिया नहीं चतु रुटी के तका 200 पीठ के मनवाहा में लाई जिमार नहीं है ऐसेही भूमि निसों लिक नहीं, चक्रवर्ण तगड़ीट भान यह खेत नहीं है। विक्सीन भूमि तूलनात्मक रूप से ५ लाख अर्थात् ५० ले तगड़ग 200 कीटर ये अपेक्षि दुर्लभ पर्याप्त है। निसों गन्धुमुला जाने अक्षया अद्वितिय अनगति का अद्वय

गोप्य उत्तर प्रदेश

State Properties & Industrial Development

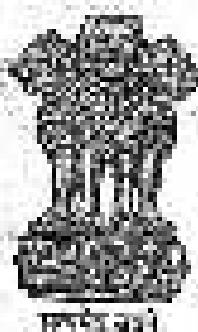
Department of Revenue

भारतीय नगर - न्यायिक

एक सौ रुपये

Rs. 100

₹. 100



ONE
HUNDRED RUPEES

भारत INDIA
INDIA NON JUDICIAL

उत्तर प्रदेश UTTAR PRADESH

R 501962



निष्ठा के इस गोपनीयता के नियन्त्रण का उपलब्ध रूप केता हुआ बहुत दिनों से है।

लेखना का इस पद किसी ने केता वे पद जो लिख दिया जाना सबूद वह जोर आग़ज़करा करने वाला था।

परिचय: गुरुतान विषय

- केता को ₹ 36,13,455/- लाहौ वेक संघा- डॉ. ए. ए. ३२
'ट्रॉफिट ०७.०७.२००७' द्वारा निशाना दिए भगवान लक्ष्मण
केता हो पड़ गए।

१०१-१०२-१०३-१०४-१०५

Printed by
Aarti Printers & Publishers Ltd.

Published by
Aarti Printers & Publishers Ltd.

है अमरा विकेता जी कुल विनाय रुप्य 30,13,455/-
 (एवं प्रति दीन ताप्त तेज अमर घार की प्रबन्धन मात्र) जो हे पाल हुए
 विस्तारी प्रति विकेता स्वीकार करते हैं।

जल्दी

दिनांक : 07.09.2007

गवाह विकेता की पहचान की

प्रति विकेता : गुरुदेव शुभराम पाठू -

दीन विकेता

विकेता

2. वंता वी पहचान की

प्रति विकेता विवेक शुभराम पाठू
 दीन विकेता विवेक शुभराम पाठू

Pratipaksha Properties & Investments Ltd.

Authorised Signatory
केता

टाइपरका

गुरुदेव शुभराम

विवेक शुभराम

गान्धीजीली

(विवेक शुभराम सिंह)

प्रबन्धकोंकेट

Pratipaksha Properties & Investments Ltd.

Authorised Signatory
केता

ପ୍ରକାଶକ ନାମ ଓ ଠିକଣା

ଶ୍ରୀମତୀ ପରୀଜା
ଶ୍ରୀମତୀ କରୁମା
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ ପାଇଁ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ ପାଇଁ

ମାତ୍ରମାତ୍ର

ପ୍ରକାଶକ ନାମ ଓ ଠିକଣା



ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ



ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ର
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ର
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ର
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ର
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ର

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ

ମୁଖ୍ୟ

ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ କାର୍ଯ୍ୟ ମାତ୍ରମାତ୍ରମାତ୍ର



ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ
ମୁଖ୍ୟ ମନ୍ତ୍ରୀ



ଅମ୍ବା କର୍ଣ୍ଣପୁର୍ବଦେଶ

ନିର୍ମାଣ - ୧୯୫

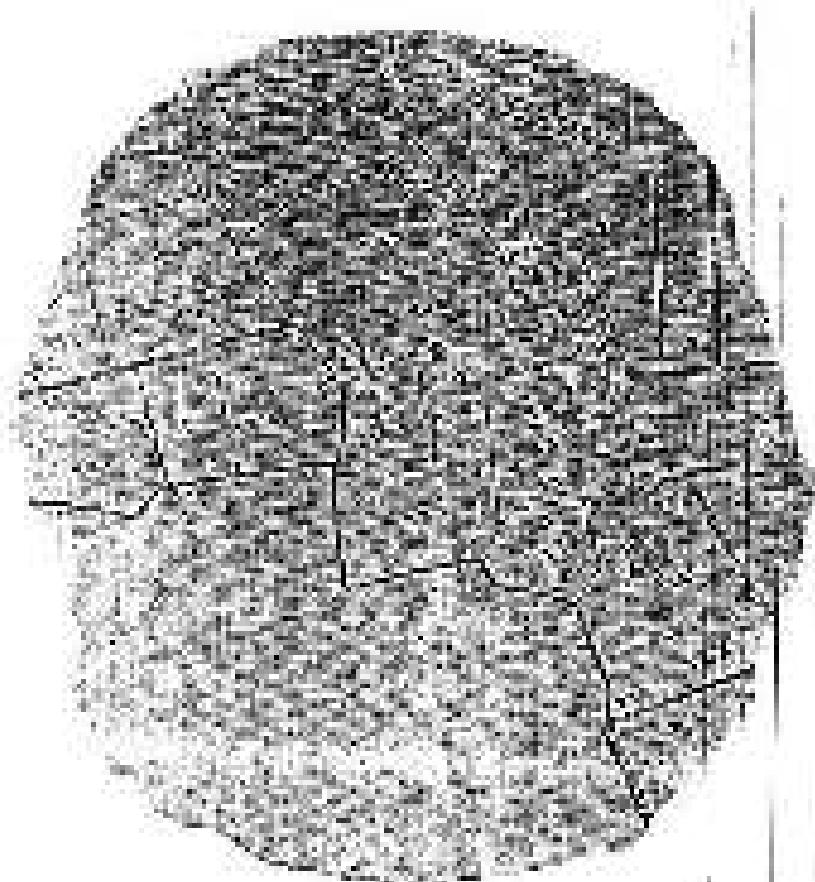
ମେଟ୍ରି

୧୨୩୬୧ ମୀ

୧୨୩୬୧ ମୀ

ମେଟ୍ରି

୧୨୩୬୧



- portal Protection 3. Min. 100

Reinforced concrete

200

Refrigerator
Model No. 8124
Date _____
Serial No. _____
Name _____
Address _____
City _____

Model

Wattage _____

Serial No.



प्रभ

संक्षेप

विवर

दृष्टि

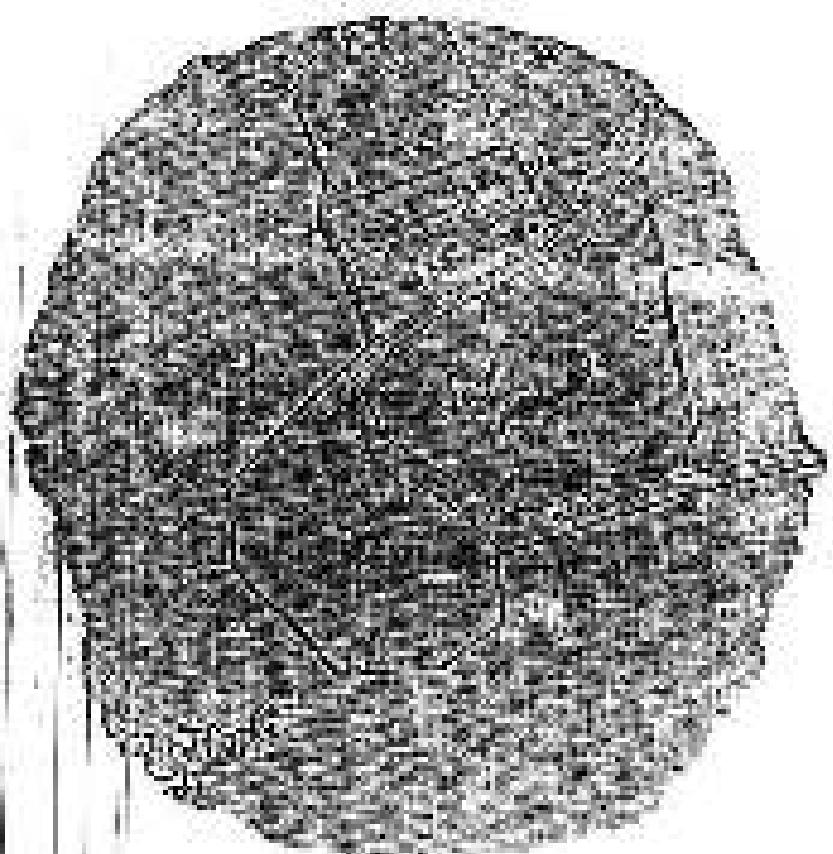
125 ली.

प्राप्ति

प्राप्ति

प्राप्ति

प्राप्ति



प्रभ

संक्षेप

विवर

प्राप्ति

प्राप्ति

Registration No. 8138 Date: 20.6.2000
0254 श्रीमद्भागवत पुस्तक विद्यालय विजयनगर नगर क्षेत्र
मैत्री होटल
१३८ बाबा रामानन्द सरोदार
गोपनी

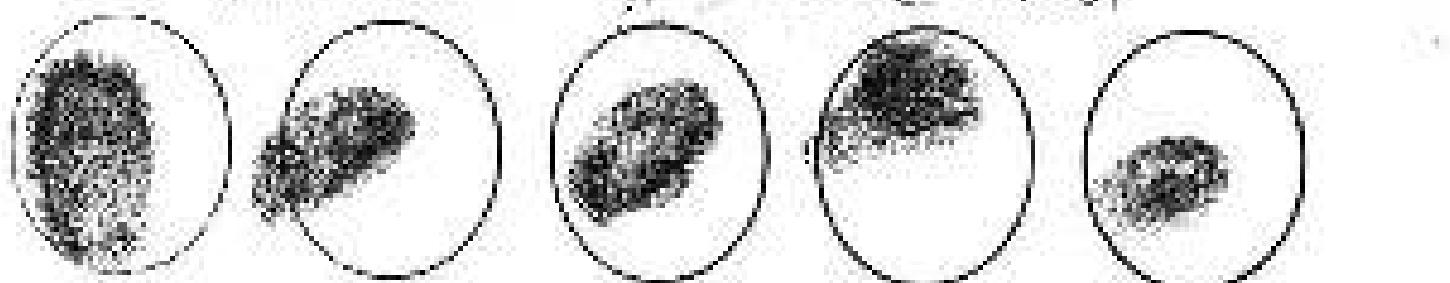


राजिस्ट्रेशन अधिनियम-1908 की धारा 32ए. के अनुपालन
ठेतु फिराती ग्रिन्टर

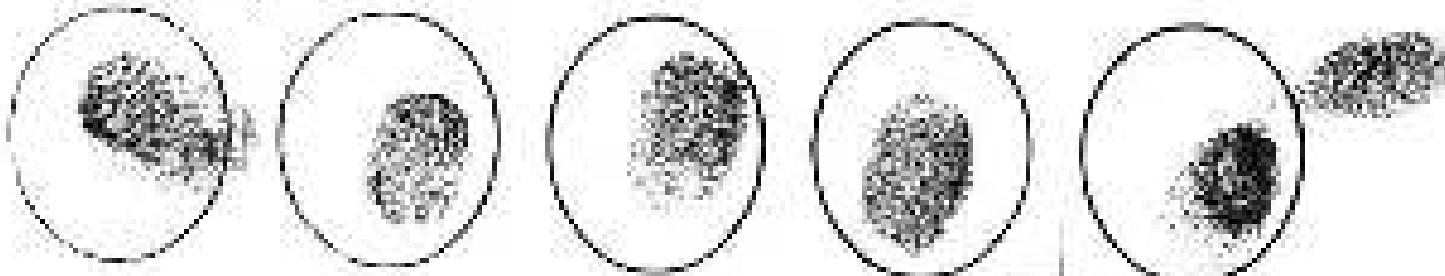
लोकान् विकास एवं विकास के लिए विभिन्न विकास प्रयोगशालाएँ

राज दर के अनुसारों के बिन्दु -

ट्रॉफी (लैंड एक्सेस)



राज दर के अनुसारों के बिन्दु -



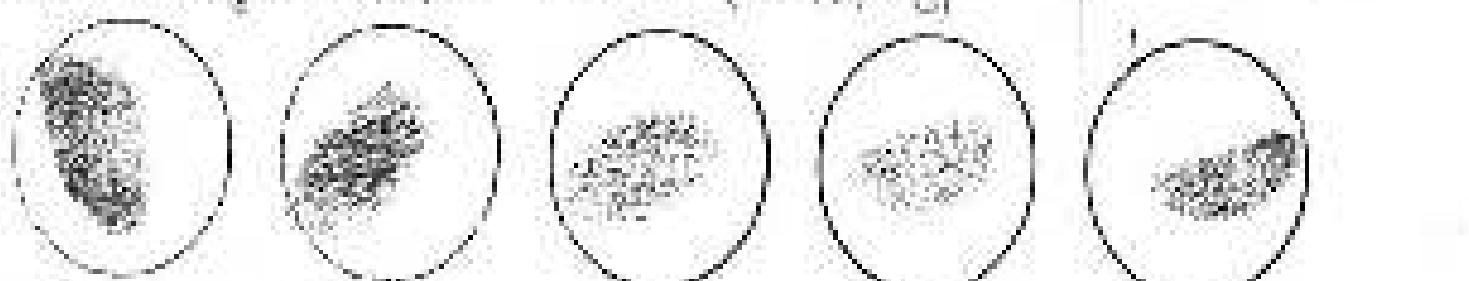
प्रदूषित विकास विकास के इताहार

राज दर के अनुसारों के बिन्दु -

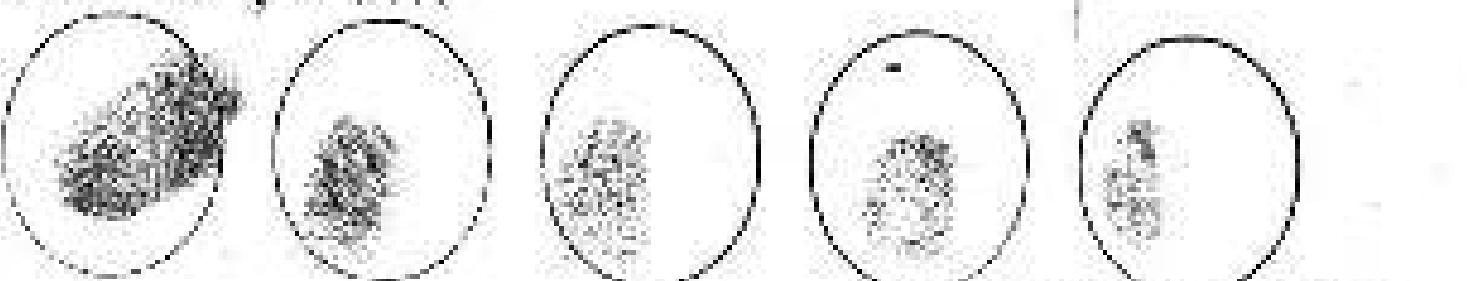
ट्रॉफी (लैंड एक्सेस)

राज दर के अनुसारों के बिन्दु -

ट्रॉफी (लैंड एक्सेस)



राज दर के अनुसारों के बिन्दु -



इसी प्रकार ८४

ଅମ୍ବାର ପାତ୍ରକାଳୀନ କାଳ

ଶରୀର ଏବଂ ମଧ୍ୟରେ ହୁଏଥିଲା ୧୯୬୭

ତଥା ଏବଂ କିମ୍ବା ଶାଖା କାଳାବ୍ଦୀ ୧୯୩୭

ମିଶ୍ରମାନଙ୍କାରୀରେ ।

ମହାଶ୍ରଦ୍ଧାରୀ

ଶ୍ରୀ ମିଶ୍ରମାନ (ମାତ୍ର)

ମଧ୍ୟକାଳୀନ

ମଧ୍ୟକାଳୀନ